देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 234 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
हर जगह तिरंगा

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 25 दिसंबर 2024

मौसम अधिकतम 20.0° न्यूनतम 09.0°

82924.41 | 2 नवाज शरीफ के पोते की लाहौर में शादी | 7 बैटिंग पोजीशन बताने से किया इनकार

कहीं बर्फबारी, कहीं ठंड का कहर

दिल्ली के साथ उत्तर भारत में आने वाले दिनों में तापमान गिरने की संभावना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के साथ उत्तर भारत में आने वाले दिनों में तापमान गिरने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को बताया कि अगले दो दिनों में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

आईएमडी के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने मौसम में बदलाव को लेकर कहा कि वर्तमान में पंजाब और आसपास के इलाकों के पास स्थित एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। नरेश कुमार ने आगे बताया कि 26 दिसंबर की रात को एक महत्वपूर्ण पश्चिमी विक्षोभ आने की उम्मीद है। इसकी वजह से उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत में ओलावृष्टि और गरज के साथ बारिश की संभावना है। इसके अलावा 27 और 28 दिसंबर को हिमालयी क्षेत्र में हल्की से मध्यम बर्फबारी हो सकती है।

गौरतलब है कि उत्तर भारत में इस समय ठंड का सितम जारी है। उत्तर भारत के कई राज्यों में तापमान में गिरावट देखने को मिली है। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया वहीं, सोमवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार राजस्थान में लगातार पड़ रही ठंड ने आम जनजीवन को काफी हद तक प्रभावित किया है। बीकानेर में तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहाड़ी राज्य जम्मू और कश्मीर में शीतलहर देखने को मिल रही है। बर्फबारी और कोहरे के कारण जनजीवन पूरी तरीके से प्रभावित हुआ है।

राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान शून्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार सुबह श्रीनगर में तापमान -5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार जब मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे कम और पहाड़ी क्षेत्रों में 0 डिग्री सेल्सियस या उससे कम होता उस स्थिति को शीतलहर कहा जाता है।

इन राज्यों में बर्फबारी की संभावना

मौसम वैज्ञानिक नरेश कुमार ने कहा कि कल दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में हुई बारिश और ऊंचे इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुई थी। आज यह विक्षोभ पंजाब और आसपास के इलाकों के पास है, जिसके कारण पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने कहा, हवा का प्रवाह उत्तर-पश्चिमी रहेगा, जिससे अगले दो दिनों में पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, दिल्ली-एनसीआर और राजस्थान में तापमान में लगभग 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। इससे राजस्थान और हरियाणा में शीत लहर चल सकती है और तापमान संभवतः 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

ऊंची चोटियों पर हिमपात शुरू

उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदल चुका है। उच्च हिमालयी क्षेत्र की की ऊंची चोटियों पर हिमपात शुरू हो चुका है, जबकि निचले क्षेत्रों में घने बादलों ने डेरा डाल रखा है। कड़ाके की ठंड के चलते हिमनगरी मुनस्यारी का न्यूनतम तापमान माइनस दो डिग्री पहुंच चुका है। यहां अत्यधिक सर्दी के चलते आम जन जीवन बुरी तरह प्रभावित रहा। उधर, उच्च हिमालयी क्षेत्र की नंदा देवी, नंदा कोट, नंदा घूंघट, बृजगंग, सिदमधार, राजरंभा, पंचाचूली आदि कैलास सहित सभी चोटियों पर हिमपात हो रहा है। इसके चलते सीमांत जनपद कड़ाके की ठंड की चपेट में है। जानकारी के अनुसार शाम को उच्च हिमालयी क्षेत्र की ऊंची चोटियों पर हिमपात होने लगा। जिसके चलते मुनस्यारी सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड का प्रकोप है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने दी प्रदेश वासियों को क्रिसमस की बधाई

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने क्रिसमस के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों विशेषकर ईसाई समुदाय के लोगों को शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि क्रिसमस का यह पर्व हमें सेवा, त्याग, प्रेम और करुणा जैसे आदर्शों का अनुसरण करने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रिसमस का त्योहार आपसी भाईचारे की भावना और खुशियों को बांटने का उत्सव है। उत्तराखण्ड में सभी पर्वों को मिलजुल कर मनाने की श्रेष्ठ परम्परा रही है।

मेंढर में सेना का वाहन गहरी खाई में गिरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज पुंछ। जम्मू के पुंछ जिले के मेंढर में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। सेना का एक वाहन गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में पांच जवानों की मौत हो गई और कई जवानों के घायल होने की खबर है। बचाव अभियान जारी है और घायलों को चिकित्सकीय सहायता दी जा रही है।

23 फरवरी को होगा भारत पाकिस्तान का महामुकाबला

आईसीसी ने किया चैंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल का ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज

नई दिल्ली। अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होगा। यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा। पाकिस्तान के अलावा इस टूर्नामेंट की मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) करेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को आगामी टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी कर दिया। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी से होगी जबकि फाइनल नौ मार्च को खेला जाएगा।

आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे। भारतीय टीम के सभी ग्रुप स्टेज के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। वहीं, बाकी टीमों के मैच पाकिस्तान में ही खेले जाएंगे। यह टूर्नामेंट 19 दिनों तक चलेगा। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची मैचों की मेजबानी करेंगे। पाकिस्तान के हर एक मैदान पर तीन-तीन ग्रुप मैच खेले जाएंगे। लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। अगर भारत फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करता है तो लाहौर ही नौ मार्च को फाइनल की मेजबानी भी करेगा।

अगर भारत क्वालिफाई करता है तो फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में रिजर्व डे होंगे। भारत से जुड़े तीन ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा।

पाकिस्तान के अलावा भारत के ग्रुप में अन्य दो टीमें बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं। महामुकाबले से पहले भारत का सामना 20 फरवरी को बांग्लादेश से होगा और पाकिस्तान से भिड़ने के बाद टीम 2 मार्च को न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। ये सभी मैच दुबई में होंगे। दूसरे ग्रुप में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका हैं।

23 फरवरी को भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान

गत चैंपियन पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेगा। पाकिस्तान का आखिरी लीग मैच बांग्लादेश के खिलाफ रावलपिंडी में 27 फरवरी को खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और पाकिस्तान के बीच लीग मैच 23 फरवरी (रविवार) को खेला जाएगा। यह मुकाबला दुबई में खेला जाएगा।

नेहरू को मुसलमानों की चिंता थी, दलितों-वंचितों की नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस और अन्य पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की फितरत हमेशा आंबेडकर विरोधी रही है। ये समाज को विभाजित करने के लिए राजनीति करना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास दलितों को वंचित रखना रहा है। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू नहीं चाहते थे कि बाबा साहेब संविधान समिति का हिस्सा बनें। यूपीए सरकार में बाबा साहेब के चित्र को नेहरू द्वारा कोड़े मारते दिखाया गया था। इसके लिए तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल को माफी मांगनी पड़ी थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव हराया था। कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहेब के परिनिर्वाण के बाद स्मारक नहीं बनने दिया। बाबा साहेब ने इस्तीफा देते समय कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि कांग्रेस और नेहरू को वंचितों-दलितों की नहीं, मुसलमान की चिंता है। कांग्रेस जैसा इतिहास ही सपा का है। कन्नौज में बाबा साहब के नाम पर बने कॉलेज से उनका नाम हटा दिया गया। सहारनपुर मेडिकल कॉलेज से नाम हटा दिया गया।

निशाना

■सीएम योगी का कांग्रेस और सपा पर हमला

भाजपा ने बाबा साहेब से जुड़े स्थलों को बनाया पंच तीय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटल जी की सरकार हो या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलने वाली भाजपा सरकार, सभी ने बाबा साहेब को सम्मान देकर उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखा। बाबा साहेब से जुड़े स्थलों को पंच तीर्थ बनाया। उनकी स्मृति को सदैव के लिए जीवंत बनाया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

महत्वपूर्ण नियम में संशोधन की इजाजत नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए निर्वाचन संचालन नियम में बदलाव किए जाने को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि उन्होंने रिट याचिका दायर की है। कांग्रेस नेता ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया कि निर्वाचन संचालन नियम, 1961, में हाल के संशोधनों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है।

■चुनाव संचालन नियम में संशोधन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक निकाय है। इस पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी है, इसलिए इसे एकतरफा और सार्वजनिक विचार-विमर्श के बिना इतने महत्वपूर्ण नियम में इतनी निर्लज्जता से संशोधन करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। रमेश ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा तेजी से कम हो रही है और उम्मीद है कि उच्चतम न्यायालय इसे बहाल करने में मदद करेगा।

न्यूज डायरी

हूती विद्रोहियों के इरादे को इजरायल ने किया नाकाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। इजरायल में यमन के हूती विद्रोहियों की तरफ से एक बार मिसाइल दागी गईऊ, लेकिन इजरायल की सेना ने हूतियों को हमले को नाकाम कर दिया। मिसाइल के दागे जाने के चलते पूरे मध्य और दक्षिणी इजरायल में सायरन बजने लगे। इजरायल की सेना ने कहा है कि उसने यमन से दागी गई एक मिसाइल को सफलतापूर्वक मार गिराया है। आईडीएफ ने कहा कि मिसाइल को इजरायली हवाई क्षेत्र में घुसने से पहले ही रोक दिया गया। यह ताजा हमला पिछले हफ्ते यमन से पिछले सप्ताह इजरायल को निशाना बनाए जाने वाली मिसाइलों के दागे जाने के बाद हुआ है। इसके पहले बीते शनिवार को यमन के हूती विद्रोहियों की तरफ से दागी गई एक मिसाइल जाफा में गिरी थी, इस हमले में कांच के टुकड़े लगने से 16 लोग घायल हो गए थे। इस हादसे को रोकने में इजरायल का महाशक्तिशाली एयर डिफेंस सिस्टम फेल हो गया था, इसे लेकर इजरायल के अंदर भी सवाल उठने लगे थे। इजरायली सेना ने कहा कि वह मिसाइल को रोकने में विफल रही, जिससे कई निवासियों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर शनिवार के हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि उन्होंने इजराइली दुश्मन के सैन्य लक्ष्य पर एक बैलिस्टिक मिसाइल निर्देशित की थी।

भारत के वीटो आगे झुके चीन और रूस, ब्रिक्स में पाकिस्तान को मिला धोखा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। ब्रिक्स की सदस्यता का सपना देख रहे मोहम्मद अली जिन्ना के पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। भारत के जोरदार विरोध का ऐसा असर हुआ कि ब्रिक्स की सदस्यता तो दूर उसे पार्टनर कंट्रीज की लिस्ट में भी जगह नहीं मिल पाई है। ब्रिक्स के 13 नए पार्टनर कंट्रीज का ऐलान हो गया है जिसमें सबसे बड़ा फायदा तुर्की को हुआ है। इन दिनों कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने से परहेज कर रहे तुर्की को पार्टनर कंट्रीज में जगह मिल गई है। माना जा रहा है कि कश्मीर को लेकर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के रुख में आए बदलाव की वजह से भारत ने ब्रिक्स में उसकी दावेदारी का विरोध नहीं किया। वहीं अब पाकिस्तान की अपने ही देश में थू–थू हो रही है। साथ ही चीन और रूस के धोखे को लेकर पाकिस्तानी सरकार से तीखे सवाल किए जा रहे हैं। रूस ने 13 देशों को ब्रिक्स में पार्टनर कंट्री बनने का न्योता भेजा है जिसमें से 9 ने इसकी पुष्टि कर दी है। ये नौ देश हैं– बेलारूस, बोलविया, इंडोनेशिया, कजाखस्तान, क्यूबा, मलेशिया, थाइलैंड, यूगांडा, उज्बेकिस्तान। इन 13 देशों में पाकिस्तान का नाम नहीं है। ये पार्टनर कंट्रीज आगे चलकर ब्रिक्स के सदस्य बनेंगे। रूस से इस खबर के आते ही पाकिस्तान को सांप सूंघ गया है जो चीन के बल पर इस संगठन में शामिल होने के लिए पुरजोर ताकत लगाए हुए था।

नवाज शरीफ के पोते की लाहौर में शादी, दुनियाभर से पहुंचेंगे मेहमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के पोते जैद हुसैन नवाज की शादी इस हफ्ते लाहौर में होने जा रही है। जैद की शादी की तैयारियां इस वक्त जोरशोर से चल रही हैं। शादी की रस्में 25 दिसंबर से शुरू हो जाएंगी और 29 दिसंबर तक चलेंगी। शादी की रस्में लाहौर के जाती उमरा (शरीफ परिवार के पैतृक गांव) में होगी। इस शादी में भारत समेत कई देशों से मेहमान शामिल होंगे। भारत से कई बड़े चेहरों के इस शादी में शामिल होने की उम्मीद की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, जैद हुसैन नवाज की शादी के फंक्शन काफी भव्य होने वाले हैं। शादी में दुनियाभर के मेहमानों का आना शुरू भी हो गया है। 25 दिसंबर को हल्दी की रस्म के साथ फंक्शन शुरू होंगे। इसके बाद 27 दिसंबर को शादी होगी और 29 दिसंबर को वलीमे का भव्य समारोह होगा। जैद की शादी में अमेरिका, यूके, यूरोपीय देशों, सऊदी अरब, कतर, यूएई, भारत और कई दूसरे देशों से मेहमान शामिल हो रहे हैं। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी का नाम भी मेहमानों की लिस्ट में शामिल होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि शरीफ परिवार या भारत के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

जो सिर उठाएगा, हम उनके नेताओं के सिर काट देंगे

इजरायल ने मानी हमास चीफ हानिया को मारने की बात

रिपोर्ट

इजरायली रक्षा मंत्री के बयान से बढ़ी हलचल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

येरूशलम। हमास के पूर्व मुखिया इस्माइल हानिया को मारने की बात इजरायल ने स्वीकार कर ली है। इजरायल ने यह भी कहा है कि वह यमन में हूती विद्रोहियों का भी खात्मा करेगा। दरअसल इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह माना कि पूर्व हमास चीफ इस्माइल हानिया को मारने के पीछे इजरायल का हाथ था। उन्होंने कहा कि हानिया को जुलाई में ईरान में मारा गया था। इजरायल काट्ज ने कहा, इन दिनों हूती आंतकी संगठन इजरायल में मिसाइल दाग रहा है। लेकिन मैं उन्हें एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हमने हमास को हराया है। हमने हिजबुल्ला को हराया है। हमने ईरान के डिफेंस सिस्टम को चकमा

देकर प्रोडक्शन सिस्टम तबाह कर दिया है। इजरायली रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि हमने सीरिया में असद की सत्ता को उखाड़ फेंका है। हमने हर बुराई पर प्रहार किया है और हम अब यमन में हूती आतंकी संगठन पर भी करारा प्रहार करेंगे।

इजरायली रक्षा मंत्री ने कहा, इजरायल उनके रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर को ध्वस्त कर देगा। हम उनके नेताओं के सिर काट देंगे, जैसा हमने हानिया, सिनवार और नसरल्लाह के साथ तेहराइन, गाजा और लेबनान में किया। होदेदा और साना में भी यही होगा।

हानिया हमास की इंटरनेशनल डिप्लोमेसी का चेहरा था। वह फिलिस्तीन में सीजफायर के लिए अंतरराष्ट्रीय वार्ता में भी शामिल हो रहा था। लेकिन जुलाई में तेहरान में उसकी हत्या कर दी गई। ईरान ने तब इजरायल को इसका जिम्मेदार बताया था। हालांकि इजरायल ने सार्वजनिक रूप से इसकी जिम्मेदारी नहीं ली थी।

गाजा पट्टी में बीते शनिवार और रविवार को इजरायली हमलों में पांच बच्चों सहित 22 लोग की मौत हो गई। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब कैथोलिक चर्च के कार्डिनल पियरबेटिस्टा पिज्जाबल्ला गाजा में क्रिसमस उत्सव में ईसाई समुदाय के सदस्यों के साथ शामिल हुए। इस बीच पोप फ्रांसिस ने युद्धविराम का आह्वान किया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा शहर में एक स्कूल पर हमले में तीन बच्चों सहित आठ लोग मारे गए।

इजरायली सेना ने कहा कि उसने वहां शरण लिए हुए हमास आतंकियों पर हमला किया। वहीं अल–अक्सा अस्पताल के अनुसार, शनिवार देर रात दीर अल–बलाह में घर पर हुए हमले में तीन महिलाओं और दो बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई।

उत्तर कोरिया में भारत फिर से खोलने जा रहा अपना दूतावास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज प्योंगयांग। दुनिया का ध्यान जब मध्य पूर्व और यूरोप में युद्धों को लेकर पश्चिम की तरफ केंद्रित है, उस समय भारत ने पूर्व की ओर अपना फोकस किया है। नई दिल्ली ने अपनी एक्ट ईस्ट नीति के तहत कोरियाई प्रायद्वीप में सावधानी के साथ काम शुरू किया है। इसी के तहत साढ़े तीन से साल के बाद भारत ने उत्तर कोरिया में अपनी राजनयिक उपस्थिति को बहाल करने जा रहा है। कोविड महामारी के दौरान जुलाई 2021 में भारतीय दूतावास ने अपने दरवाजे बंद कर दिए थे। अब भारत ने अपनी एक राजनयिक टीम को प्योंगयांग भेजा है, जो मिशन को फिर से चालू करने पर काम कर रही है।

दिलचस्प बात ये है कि भारत के साथ ही उसका प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान भी उत्तर कोरिया में अपना असर बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। उत्तर कोरिया के साथ पाकिस्तान के रक्षा संबंध हैं। पाकिस्तान के मिसाइल कार्यक्रम को मजबूत करने में उत्तर कोरिया ने इस्लामाबाद की मदद की है। पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी एक्सपर्ट साजिद तरार ने उत्तर कोरिया को लेकर भारत के कदम को बहुत ही स्मार्ट मूव बताया है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे समय में उत्तर कोरिया में दूतावास को फिर से चालू करने जा रहा है।

अमेरिका से यूनुस को फोन पर हिंदू हिंसा को लेकर पड़ी फटकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सैन फ्रांसिस्को। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के लिए अमेरिका ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को कड़ी फटकार लगाई है। अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जेक सुलिवन ने सोमवार को यूनुस से फोन पर बात की। सुलिवन ने यूनुस को बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यूनुस ने भी इस पर सहमति जताई है। व्हाइट हाउस ने इस संबंध ा में एक बयान जारी कर कहा, श्दोनों नेताओं ने सभी धर्म के लोगों के मानवाधिकार की रक्षा और सम्मान के लिए प्रतिबद्धता जताई है।श बाइडेन प्रशासन द्वारा डोनाल्ड ट्रंप को सत्ता हस्तांतरण के पहले बांग्लादेश में की गई इस कॉल के कई मायने निकाले जा रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर भी आज से 6 दिन के अमेरिका दौरे पर हैं।

पाकिस्तान के परमाणु बम अमेरिका और इजरायल के निशाने पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ बढ़ने जा रही जनरल मुनीर की टेंशन

इस्लामाबाद। अमेरिका ने हाल ही में पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर बैन का ऐलान किया है। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से पाकिस्तान के मिसाइल प्रोग्राम पर चिंता ने विशेषज्ञों का भी ध्यान खींचा है क्योंकि वॉशिंगटन से दशकों तक इस्लामाबाद को सैन्य मदद मिलती रही है। पाकिस्तानी पत्रकार वजाहत खान ने अमेरिका के कैलिफोर्निया में नेवल पोस्टग्रेजुएट सेंटर में प्रोफेसर और पूर्व में पाक फौज में ब्रिगेडियर रहे फिरोज खान से जानना चाहा है कि वॉशिंगटन की ओर से इस्लामाबाद के मिसाइल प्रोग्राम पर बैन क्यों लगाया है। साथ ही वजाहत ने फिरोज खान से अमेरिका–पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद रिश्ते की संभावना पर भी बात की है।

वजाहत ने कहा कि पाकिस्तान के प्रति इस तरह का रवैया अमेरिका ने क्यों अपनाया है। इस पर फिरोज खान का कहना है कि कोई भी ये नहीं मानेगा कि पाकिस्तान की ओर से अमेरिका को कोई खतरा हो सकता है। पाकिस्तान के मिसाइल प्रोग्राम पर अमेरिका के फैसले से लगता है कि पाक की मिसाइलों की रेंज भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर तक पहुंचना अमेरिका को परेशान कर रहा है। इससे अमेरिका नाखुश है और उसने सख्त रुख दिखाया है। अमेरिका के इस फैसले में इजरायल की भूमिका की तरफ भी फिरोज खान ने इशारा किया है। अमेरिका को लगता है कि पाकिस्तान के हथियार पश्चिम एशिया में पहुंच सकते हैं। ऐसे में ये हथियार किसी ना किसी तरह से इजरायल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये खासतौर से अमेरिका के लिए फिक्र की वजह है। ऐसे में इजरायल के बचाव में अमेरिका के फैसले को देखा जा सकता है। इजरायल और अमेरिका आने वाले वक्त में पाकिस्तान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर और भी सख्ती दिखा सकते हैं।

सैन्य मामलों के एक्सपर्ट फिरोज का मानना है कि बाइडन ने अपने कार्यकाल के आखिरी दिनों में पाकिस्तान के मिसाइल प्रोग्राम पर बैन का फैसला लेकर ट्रंप के लिए मुश्किल बढ़ा दी है।

गुलाम हैदर ने एक बार फिर साधा सीमा पर निशाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान से गैरकानूनी तरीके से नेपाल के रास्ते भारत आई सीमा हैदर के पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर ने एक बार फिर वीडियो जारी किया है। गुलाम हैदर ने काफी समय तक खामोश रहने के बाद अपने यूट्यूब चैनल से कुछ वीडियो शेयर किए हैं। इनमें गुलाम ने सीमा और सचिन पर जमकर गुस्सा निकाला है। गुलाम ने कहा है कि सीमा ने शर्म लिहाज को बिल्कुल ही साइड में रख दिया है। वह जो कर रही है, वह कोई भी शर्म वाली औरत नहीं कर सकती है। गुलाम का ये वीडियो ऐसे समय आया है, जब सीमा ने अपने गर्भवती होने और सचिन के बच्चे की मां बनने की बात का खुलासा किया है। सीमा हैदर के बारे में सामने आया है कि वह अपने प्रेमी सचिन मीणा के बच्चे की मां बनने वाली है। सीमा फिलहाल सात महीने की प्रेग्नेंट हैं।

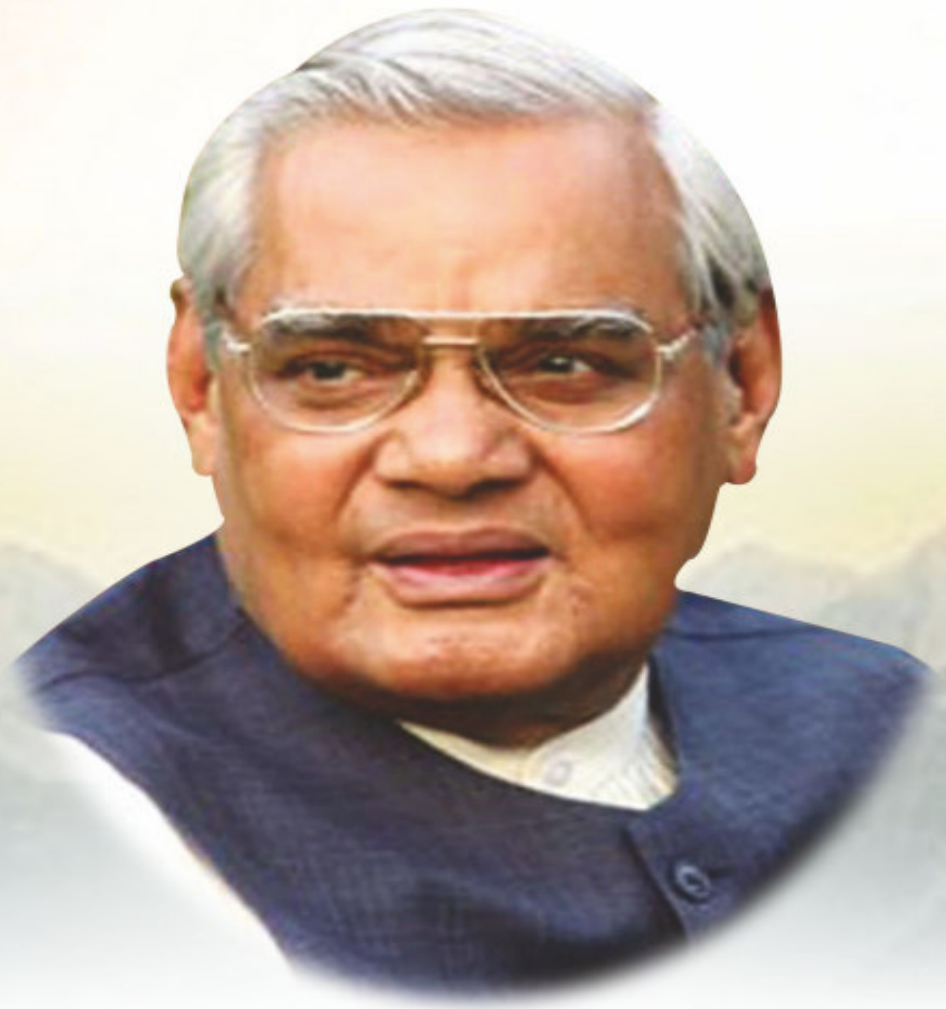

उत्तराखण्ड शासन
युग पुरुष, उत्तराखण्ड के प्रणेता, जनप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री
"भारत रत्न"
स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी
की जयंती पर समस्त उत्तराखण्ड वासियों की ओर से
शत-शत नमन
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

आखिरी पल तक रस्साकशी

तमाम राजनीतिक मजबूरियों के बीच भी फडणवीस सरकार को स्थिरता और कामकाज की दो सबसे बड़ी कसौटियों पर ही खुद को साबित करना है और भूलना नहीं चाहिए कि महाराष्ट्र ने उस पर अपनी उम्मीदें टिका रखी हैं।

रहीस सिंह।।

महाराष्ट्र में महायुति सरकार की धीमी गति पर सवाल उठ रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने और मंत्रिमंडल गठन में देरी हुई। शिवसेना के एकनाथ शिंदे के लिए अपनी भूमिका को स्वीकारना मुश्किल हो रहा है। मंत्रियों के ढाई साल के कार्यकाल का फॉर्मूला सामने आया है। सरकार को स्थिरता और कामकाज पर खुद को साबित करना होगा।

विशाल बहुमत से शानदार जीत दर्ज करने के बावजूद महाराष्ट्र की महायुति सरकार जिस धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है, उसे सतर्कता कहा जाए या बहुमत का बोझ, यह तय करना फिलहाल मुश्किल है। 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आने के 12 दिन बाद देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ ले पाए और उसके भी दस दिन बाद 15 दिसंबर को मंत्रियों का शपथ ग्रहण हो सका। विभागों का बंटवारा होना अभी भी बाकी है।

वैसे मौजूदा सरकार के स्वरूप पर गौर करें तो यह स्थिति ज्यादा अस्वाभाविक नहीं लगती। भले ही शिवसेना और एनसीपी से अलग हुए धड़ों के साथ बीजेपी की सरकार करीब ढाई साल कामयाबी से चली। फिर चुनाव में राज्य के वोटरों ने भी इस अलायंस पर सहमति की मुहर लगा दी। लेकिन इस जीत के बाद महायुति के आंतरिक समीकरण में बुनियादी अंतर आ गया है। विधायकों की संख्या चाहे कम ज्यादा रही हो, पहले एकनाथ शिंदे इसके सर्वमान्य नेता थे। अब सबसे बड़ी पार्टी का नेता होने के बावजूद इस सत्तारूढ़ गठबंधन के अंदर देवेंद्र फडणवीस की सहज सर्वोच्चता स्थापित होने में थोड़ा वक्त लग सकता है।

शायद यही वजह है कि शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे के लिए इस गठबंधन में अपनी दूसरे नंबर की हैसियत को पचाना और अपने समर्थकों से स्वीकार कराना मुश्किल हो रहा है। उपमुख्यमंत्री पद के लिए वह जैसे–तैसे राजी हुए तो मंत्रियों की कम संख्या का सवाल आड़े आया और अब विभागों के बंटवारे को लेकर आखिरी पलों तक रस्साकशी होनी है। तीनों पार्टियों में चल रही इस असामान्य रस्साकशी का एक रूप कहिए या विधायकों की बढ़ी हुई संख्या का दबाव, शायद पहली बार महाराष्ट्र में मंत्रियों के लिए ढाई साल के कार्यकाल का फॉर्म्युला सामने लाया गया। राजनीतिक मजबूरियों के बीच रास्ता निकालने की कला के तौर पर निश्चित रूप से यह अच्छा कदम है। हो सकता है इससे मंत्रियों पर बेहतर काम करने का दबाव भी रहे। लेकिन संसदीय लोकतंत्र में मंत्रिमंडल सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत के तहत काम करता है। ऐसे में सार्वजनिक तौर पर मंत्रियों को नाकाम करार दिए जाने को लेकर यह खुलापन भी सवालों से परे नहीं है।

बहरहाल, लोकतंत्र नई चुनौतियों के नए हल निकालते हुए ही आगे बढ़ता है। ऐसे में महाराष्ट्र की नई सरकार को लेकर भी अभी से फैसले सुनाना सही नहीं होगा। तमाम राजनीतिक मजबूरियों के बीच भी फडणवीस सरकार को स्थिरता और कामकाज की दो सबसे बड़ी कसौटियों पर ही खुद को साबित करना है और भूलना नहीं चाहिए कि महाराष्ट्र ने उस पर अपनी उम्मीदें टिका रखी हैं।

लक्ष्मी की कृपा

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। वहीं, पूजा के बाद इनमें से किसी एक चीज को तिजोरी में रख दें। इस उपाय को करने से धन में वृद्धि होने लगती है। अगर आप मां लक्ष्मी को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन पूजा के समय धन की देवी को नारियल अवश्य ही अर्पित करें। मां लक्ष्मी को नारियल प्रिय है। आप एकाक्षी नारियल अर्पित कर सकते हैं। पूजा के बाद लाल रंग के कपड़े में नारियल को बांधकर तिजोरी में रख दें। मां लक्ष्मी की कृपा पाना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन पूजा के समय सात कौड़ी जगत की देवी को अर्पित करें। इस समय लक्ष्मी मंत्र का पाठ करें। वहीं, पूजा के बाद कौड़ी को तिजोरी में रख दें। इस उपाय को करने से भी धन में वृद्धि होती है। जगत के पालनहार भगवान विष्णु को तुलसी प्रिय है।

....शेष कल

संपादकीय

बुमराह के प्रशंसक

पहली बार कंगारू किसी भारतीय गेंदबाज की ऐसी प्रशंसा कर रहे हैं, जैसी जसप्रीत बुमराह को मिल रही है। जिस देश ने डेनिस लिली और ग्लेन मैक्ग्रा जैसे दिग्गज तेज गेंदबाज दिए हों, वहां के युवा खिलाड़ियों के लिए बुमराह का रोल मॉडल बनना अद्भुत है। ऐसा सचिन की सर्वोच्चता के दौर में भी देखने को नहीं मिला था। शायद इसकी वजह यह थी कि उनके पास रिकी पोंटिंग थे, जो उनकी नजरों में अब भी सचिन से 19 नहीं हैं। बुमराह ने कप्तान के तौर पर भी हर किसी को अपना मुरीद बना लिया है। सचिन की सादगी के बाद विराट के आक्रामक तेवरों ने अगर टीम इंडिया की छवि बदली, तो बुमराह और रोहित शर्मा ने लीडरशिप का एक अलग पहलू दिखाया है। अगर रोहित की अगुआई में टीम सीरीज जीत की हैटट्रिक लगाती है, तो उसका वही रुतबा होगा जो वेस्टइंडीज की कालजयी टीम का हुआ करता था।

कोहली और रोहित की सिर्फ एक झलक पाने के लिए करीब 5000 दर्शक पूरे एडिलेड ओवल में भारतीय तिरंगा लहराते हुए दिखे। ऑस्ट्रेलियाई मैदानों में यह सुखद बदलाव है।

हर जगह तिरंगा

विमल कुमार।।

एडिलेड ओवल में बॉर्डर–गावसकर सीरीज का दूसरा मैच शुरू हुआ। भारत 5 मैचों की इस सीरीज में अभी 1–1 और डॉ पर है। भारतीय क्रिकेट की हस्ती दुनिया और खासकर खेल के मैदान पर सबसे बड़ी चैंपियन टीम ऑस्ट्रेलिया में किस कदर बदल गई है, उसकी झलक देखने के लिए एक बार यहां आना चाहिए। साल 2008 में टेलिविजन रिपोर्टर के तौर पर जब मैंने पहली बार ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर कदम रखा, तो हरभजन सिंह बनाम एंड्रयू साइमंड्स का मंकीगेट कांड सुर्खियों में था। दोनों देशों के न सिर्फ खिलाड़ी आपस में भिड़ रहे थे बल्कि मैदान के बाहर दोनों तरफ का आक्रामक मीडिया भी आग में घी डालने का काम कर रहा था। इसका असर सामान्य ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट फैंस के नजरिये पर भी देखने को मिला।

ऑस्ट्रेलिया ने डॉन ब्रैडमैन के बाद अगर किसी को सबसे बेहतरीन क्रिकेटर माना, तो वह सचिन तेंडुलकर हैं। लेकिन, मंकीगेट का ऐसा असर हुआ कि सचिन के हरभजन का साथ देने से ऑस्ट्रेलियाई नाराज और मायूस हो गए। कुछ साल बाद एडम गिलक्रिस्ट ने अपनी किताब में इस बात का जिक्र भी किया था कि किस तरह उस वाकये से सचिन की साख को थोड़ा

झटका लगा था।

बहरहाल, सचिन की विरासत को आगे ले जाने वाले विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के साथ न सिर्फ अपने निजी रिश्ते, बल्कि भारतीय क्रिकेट के समीकरण भी पूरी तरह बदल डाले। यह सच है कि ऐसा अकेले सिर्फ विराट की असाधारण शख्सियत के चलते नहीं हुआ। 2008 में प्च्स् ने कंगारुओं को एक उभरते हुए ताकतवर देश की झलक दिखलाई, तो भारत से आने वाले इंजिनियर और डॉक्टरों ने वहां के जनमानस पर वही असर डालना शुरू किया, जिसकी शुरुआत अमेरिका और इंग्लैंड में 50 साल पहले ही हो चुकी थी।

विराट कोहली ने 2010–11 में ऑस्ट्रेलिया का पहला दौरा किया था। तब से 2024 तक, वह यहां के पांच टूर कर चुके हैं और हर बार शतक जमाया है। इसमें अपवाद के तौर पर केवल पिछला दौरा रहा, जब वह सिर्फ एक टेस्ट खेलकर भारत लौट गए थे। विराट ने अपने प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलियाई जनता ही नहीं, उनके प्रधानमंत्रियों को भी अपना मुरीद बनाया और बाहुबली–सा दर्जा हासिल किया।

कैनबरा में टीम इंडिया के अभ्यास मैच के दौरान मेरी मुलाकात एक युवा महिला मैरी से हुई। मैरी क्रिकेट की दीवानी हैं, साथ में हिंदी फिल्में भी चाव से देखती हैं। अमिताभ बच्चन उनके पसंदीदा नायक हैं और शाहरुख खान की फिल्म 'कल हो न हो' का टाइटल गाना भी वह गुनगुना सकती हैं। क्रिकेट के अलावा भी जिस तरह की छाप भारतीय संस्कृति ने ऑस्ट्रेलियाई लोगों पर छोड़ी है, वह अपने आप में अविश्वसनीय है।

एडिलेड टेस्ट से ठीक पहले टीम इंडिया के पहले अभ्यास सत्र को आम जनता के लिए फ्री कर दिया गया था। कोहली और रोहित की सिर्फ एक झलक पाने के लिए करीब 5000 दर्शक पूरे एडिलेड ओवल में भारतीय तिरंगा लहराते हुए दिखे। ऑस्ट्रेलियाई मैदानों में यह सुखद बदलाव है। ज्यादातर मैदानों पर भारतीय और स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों की संख्या 50–50: होती है। अगर आने वाले एक दशक में मैच के 90 प्रतिशत टिकट भारतीयों के पास हों, तो हैरानी नहीं होगी।

सूडोकु नवताल-5238

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5237 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

अपना ब्लॉग

टर्निंग पॉइंट

मोहन। इन तमाम बातों के बावजूद अगर पिछले 25 बरसों में सिर्फ एक घटना को नजरिये में बदलाव का टर्निंग पॉइंट माना जा सकता है, तो उसके पीछे महेंद्र सिंह धोनी हैं। 2008 में टीम इंडिया ट्राइएंगुलर वनडे सीरीज खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया में थी। वह शृंखला टेस्ट सीरीज की कड़वाहट के बाद खेली जा रही थी। तब तक टीम इंडिया ने 2007 का टी–20 विश्व कप जीत लिया था, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई उसे बहुत तवज्जो नहीं दे रहे थे, क्योंकि इससे पहले भारत ने कभी ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में नहीं हराया था। हकीकत में बेस्ट ऑफ थ्री फाइनल में कभी तीसरे फाइनल की नौबत ही नहीं आई, कंगारू पहले ही दो मैच जीत जाते थे। उस टूर पर इतिहास बदला। धोनी की टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसी की कड़वी दवा पिला दी। लेकिन, उन्होंने पहले ही हर साथी से कह दिया था कि ट्रोफी जीतने के बाद भी कोई जोरदार ढंग से जश्न नहीं मनाएगा। कंगारू यह देखकर हैरान रह गए कि कैसे इतनी बड़ी जीत को भारतीय टीम ने हल्के में लिया। यही काम विराट और अजिंक्य रहाणे ने पिछले दो दौरों पर किया है।

सिंगर सचेत–परंपरा बने बेटे के माता–पिता, मांगा आशीर्वाद, किया महादेव को याद

मशहूर कंपोजर–गायक सचेत टंडन और परंपरा ठाकुर के फैंस के लिए खुशखबरी है। कपल के घर नन्हें राजकुमार ने जन्म लिया है। परंपरा ने बेटे को जन्म दिया, जिसकी झलक दिखाते हुए सचेत ने अपनी खुशियां चाहनेवालों के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की। इंस्टाग्राम पर अपने लाडले के साथ वाली पोस्ट साझा कर सचेत ने जज्बात भी शेयर किए और बताया कि महादेव की कृपा से उन्हें यह खुशी मिली। सचेत ने कैप्शन में लिखा, श्महादेव के आशीर्वाद के साथ हमें अपने प्यारे बच्चे के आने का ऐलान करते हुए बहुत खुशी हो रही। हम इस खूबसूरत समय में आपके आशीर्वाद और शुभकामनाओं की कामना करते हैं। नमः पार्वती पतये हर हर महादेव, जय माता दी। सचेत और परंपरा की जोड़ी सोशल मीडिया पर अपनी कमाल की आवाज के साथ छाई रहती है। दोनों को असली पहचान एक्टर शाहिद कपूर की फिल्म 'कबीर सिंह' के सुपरहिट गाने 'बेखयाली' से मिली थी और तभी से ये स्टार कपल मशहूर हो चुका है। सचेत और परंपरा पहली बार साल 2015 में एक रियलिटी टीवी शो में मिले थे। शो में प्रतियोगी के तौर पर शामिल हुए सचेत–परंपरा के बीच नजदीकियां बढ़ीं और लगभग पांच साल साथ रहने के बाद दोनों ने दिसंबर 2020 में शादी कर ली थी। दोनों ने परिवार और करीबी दोस्तों के बीच सात फेरे लिए थे। इनके वर्कफ्रंट की बात करें तो इसी साल फरवरी में रिलीज दोनों के रोमांटिक सॉन्ग प्यार बन गए को काफी पसंद किया गया था।

लग रहा था कि मैं अल्लू अर्जुन सर के ऊपर डांस कर रही हूं

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 रोज नए रेकॉर्ड बना रही है। फिल्म 18 दिनों में ही देश की टॉप फिल्म बाहुबली 2 को पछाड़ देते हुए देश की नंबर 1 फिल्म (इंडिया नेट कलेक्शन) बन चुकी है। इस फिल्म की कहानी के साथ–साथ गानों को लेकर भी खूब चर्चा है। फिल्म के गाने श्पीलिंग्सश को लेकर अब रश्मिका मंदान ने अपना रिएक्शन दिया है और बताया है कि वो इसे जब शूट कर रही थीं तो कितना अनकम्फर्टेबल थीं। रश्मिका मंदाना इस फिल्म में अपने श्रीवल्ली के रोल में एक बार फिर से नजर आई हैं। इस फिल्म में दोनों का रोमांटिक सॉन्ग श्पीलिंग्सश है, जिसमें दोनों ने बोल्ड सीन दिए हैं। इस गाने के लॉन्च होने के साथ ही सोशल मीडिया पर इसके मूव्स की काफी आलोचनाएं हो रही थीं।
रश्मिक ने कहा, श्शूटिंग के दौरान ज्यादातर समय मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं अल्लू अर्जुन सर के ऊपर डांस कर रही हूं।

सिंगर मोनाली ठाकुर ने बीच में ही छोड़ा लाइव कॉन्सर्ट

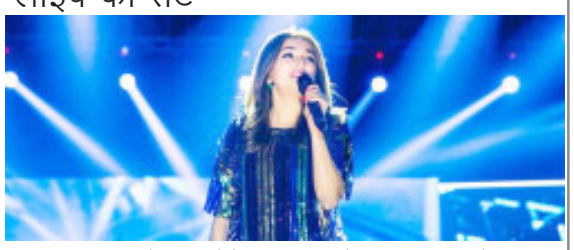

बॉलीवुड की फेमस प्लेबैक सिंगर मोनाली ठाकुर ने 22 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अपना कॉन्सर्ट बीच में ही खत्म कर दिया। इवेंट ऑर्गेनाइजर्स के खराब मैनेजमेंट और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण उन्हें शो छोड़कर जाना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में वो अपने फैंस से माफी मांगती दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पर डालिम्स न्यूज द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में डवदंसप जींनत फैंस से माफी मांगने के साथ–साथ इवेंट आयोजकों पर भड़कती भी दिख रही हैं। उन्होंने कहा, श्मैं निराश हूं कि मेरी टीम और मैं यहां परफॉर्म करने के लिए इतने एक्साइटेड थे। बुनियादी सुविधाएं और कंडीशन के बारे में बात ना भी करें, क्योंकि ये मैनेजमेंट की जिम्मेदारी है। मैं ये एक्सप्लेन नहीं कर सकती कि उन्होंने पैसे चुराने के लिए स्टेज पर क्या किया है। उन्होंने आगे कहा, मैं बार बार कह रही हूं कि इस स्टेज (खराब स्टेज) के कारण मेरे एंकल में चोट लग सकती है। मेरे डांसर मुझे शांत रहने के लिए कह रहे हैं, लेकिन यहां सबकुछ गड़बड़ और बेकार है। हम फिर भी परफॉर्म करने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि आप लोग (फैंस) मेरे लिए आए हो और आप सभी के प्रति मैं जवाबदेह हूं। मोनाली ठाकुर ने आगे कहा कि वो इस कॉन्सर्ट को खत्म कर रही हैं और उन्होंने फैंस से वादा किया कि वो फिर परफॉर्म करने आएंगी, लेकिन खुद ही सारे इंतजाम करेंगी, वो भी अच्छे से।

विराट कोहली ने राहुल वैद्य को किया इंस्टाग्राम पर ब्लॉक

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के फेमस सिंगर राहुल वैद्य ने बताया है कि उन्हें इंडियन क्रिकेटर विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया है। हालांकि, उन्होंने बताया कि इसे लेकर वह खुद भी उलझन में हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आया कि कोहली ने उन्हें ब्लॉक करने का फैसला क्यों किया।

सिंगर बोले- समझ नहीं आया कि भाई ने कनेक्शन क्यों काटा
हाल ही में, राहुल से किसी पपाराजी ने पूछा कि विराट कोहली ने उन्हें इंस्टाग्राम पर क्यों ब्लॉक किया। वैद्य ने जवाब दिया, आज तक समझ में नहीं आया, भाई ने ब्लॉक क्यों किया। उन्होंने कन्फ्यूजन जताते हुए कहा कि उन्हें समझ में नहीं आया कि कोहली ने उनका ऑनलाइन कनेक्शन काटने का फैसला क्यों किया।

लोगों ने पूछा- इन्हें पहचानता भी है क्या विराट कोहली?
कुछ लोगों ने राहल के इस वीडियो पर कॉमेंट किया है। एक ने कहा– इन्हें पहचानता भी है क्या विराट कोहली? एक और यूजर ने कहा– कोई न भाई, रोने का नहीं। वहीं कुछ लोगों ने फुटेज का भूखा कहा है। एक और ने कहा– भाई टेंशन मत ले, वो भी सिर्फ ऐड ही पोस्ट करता है।

राहुल ने साल 2021 में दिशा परमार से शादी की
राहुल वैद्य इंडियन आइडल और बिग बॉस 14 (रनर–अप) को लेकर खूब चर्चा में रहे हैं में रहे। राहुल ने साल 2021 में दिशा परमार से शादी की । राहल वैद्य और दिशा परमार की बेटी का जन्म 20 सितंबर 2023 को हुआ ।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा लंदन में मूव होने की प्लानिंग
वहीं विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने हाल ही में 11 दिसंबर, 2024 को अपनी शादी की सातवीं सालगिरह मनाई है। विराट और अनुष्का अपने दोनों बच्चों के साथ लंबे समय से लंदन में रह रहे हैं। कहा जा रहा है कि दोनों पर्मानेंट ही लंदन मूव होने की प्लानिंग कर रहे हैं।

ओरी का बॉलीवुड डेब्यू! भंसाली की लव एंड वॉर में होगा कैमियो

इंटरनेट सेंसेशन ओरी जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने वाले हैं! जी हां, चौकिए मत। रिपोर्ट्स बता रही हैं कि उन्हें संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर के लिए कास्ट किया गया है। पर वो सिर्फ कैमियो में नजर आएंगे। इसके अलावा दीपिका पादुकोण का भी इस फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस हो सकता है।

अक्सर बॉलीवुड स्टार किड्स के साथ नजर आने वाले ओरी यानी ओरहान अवत्रामणि के बारे में हमेशा यही पूछा जाता है कि आखिर वो करते क्या हैं? अब उनके पास आपके सवाल का जवाब होगा, क्योंकि वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रहे हैं। वो भी संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर से। इसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल लीड रोल में हैं।

आलिया-रणबीर और विक्की संग दीपिका पादुकोण भी?
ओरी लगभग हर बॉलीवुड पार्टी में नजर आते हैं। वो अंबानी परिवार के भी काफी करीब हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, अब ओरी लव एंड वॉर फिल्म में नजर आएंगे। पर उन्हें कैमियो के लिए कास्ट किया गया है। ये भी बताया जा रहा है कि दीपिका पादुकोण भी स्पेशल अपीयरेंस में नजर आ सकती हैं।

ओरी के सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स
ओरी इंटरनेट सेंसेशन हैं। उनके सोशल मीडिया पर काफी फॉलोअर्स हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 1.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। यहां पर वो अपने फैंस के लिए बॉलीवुड पार्टीज की इनसाइड फोटोज खूब शेयर करते हैं। इसके अलावा कई फनी पोस्ट भी होते हैं। वो हर बड़े सिंगर के कॉन्सर्ट में भी पहुंच जाते हैं और कई बार अजीबोगरीब आउटफिट पहनकर पपाराजी के सामने आते हैं।

भंसाली की मन बैरागी
संजय लीला भंसाली की बात करें तो उन्होंने हीरामंडी वेब सीरीज से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा। इस शो को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्मों की बात करें तो उन्होंने 2022 में आलिया भट्ट के साथ गंगूबाई काठियावाड़ी बनाई थी। लव एंड वॉर के अलावा उनके पास श्मन बैरागीश भी है, जिसे वो सिर्फ प्रोड्यूस करेंगे।

सर्दियों में सलाद में शामिल करें मूली, शरीर की होगी सफाई

सर्दियों के मौसम में मूली को सलाद में शामिल करना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। यह खाने का स्वाद भी बढ़ाती है और ठंड के मौसम में हमारे शरीर की इम्यूनिटी को भी काफी मजबूत बनाती है। सर्दी के मौसम में इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण हम कई बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। इसलिए रोजाना आप मूली को अपने आहार में शामिल करें।

सर्दियों में मूली खाने के फायदे

सर्दी के मौसम में ही मूली की खेती होती है। यह एक मौसमी सब्जी है। मौसमी सब्जियों का सेवन करना हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। यह मौसम के अनुसार हमारे शरीर की इम्युनिटी के लिए फायदेमंद होती हैं। मूली में विटामिन सी मौजूद होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए बहुत जरूरी है। ठंड के मौसम में सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू जैसे संक्रामक होने की संभावना अधिक रहती है। इसलिए ठंड में मूली का सेवन जरूर करें। यह आपको कई बीमारियों से बचाएगी।

हमारे पाचन तंत्र को मजबूत रखती है

सलाद में अगर मूली को शामिल किया जाए तो यह पाचन तंत्र को सही रखती है। गैस, कब्ज, अपच जैसी समस्याओं को दूर करती है। सर्दियों में मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, जिससे पाचन से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न होती है लेकिन सलाद में मूली शामिल करने से पाचन संबंधित समस्याएं कंट्रोल में की जा सकती हैं।

शरीर को करता है डिटॉक्सिफाई

हमारे शरीर में कई विषैले तत्व अलग–अलग माध्यम से जमा होने लगते हैं, जो समय के साथ कई बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसलिए शरीर को डिटॉक्सिफाई करना बहुत जरूरी है। मूली का सेवन करने से शरीर के डिटॉक्सिफिकेशन में मदद होती है। यह शरीर में जमा हुए टॉक्सिंस को निकालने में मदद करता है। किडनी और लीवर को मजबूत बनाता है। इसका सेवन करने से शरीर साफ होता है और हमारी त्वचा में निखार आता है।

ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखता है

मूली में ग्लिासेमिक इंडेक्स कम मात्रा में मौजूद होता है। इसलिए इसका सेवन करने से शुगर को कंट्रोल में किया जा सकता है। डायबिटीज के रोगियों को अपने आहार में मूली को जरूर शामिल करना चाहिए। यह ब्लड में अधिक या कम मात्रा में शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। मूली के पत्तों को खाना भी उतना ही फायदेमंद है। मूली के साथ–साथ इसके पत्तों का सेवन करने से भी डायबिटीज में आराम मिलता है।

ऐसे करें मूली का सेवन

सर्दी के मौसम में मूली को सलाद के रूप में खाना चाहिए। इसे साथ टमाटर, खीरे और गाजर के साथ मिलाकर खाएं। सर्दियों के मौसम में मूली का पराठा नाश्ते के लिए बेहतरीन विकल्प है। मूली को अचार के रूप में भी खा सकते हैं। मूली का अचार खाने से पाचन तंत्र काफी मजबूत होता है। मूली के साथ–साथ मूली के पत्ते भी बहुत फायदेमंद है। शरीर को डिटॉक्स करने के लिए एक गिलास मूली का जूस पीना भी फायदेमंद है।

नाखूनों पर सफेद निशान की असली वजह है शरीर में जिंक और कैल्शियम की कमी?

बच्चे हों या फिर बड़े, सफेद निशान किसी न किसी के नाखूनों पर दिख ही जाते हैं। इसका आखिर क्या मतलब होता है? एक यूट्यूब वीडियो की मानें तो यह निशान तब बनते हैं जब शरीर में जिंक जैसे तत्वों की कमी हो जाती है। तो क्या इसकी पूर्ति के लिए सप्लीमेंट लेना शुरू कर देना चाहिए? इतना बड़ा कदम उठाया जाए, उससे पहले डॉक्टर से चीजों को चेक करवा लेना बेहतर विकल्प रहता है। यही करने के लिए हमने सजग फैक्ट चेक टीम के डॉक्टर्स के पैनल से संपर्क किया और यूट्यूब वीडियो को फैक्ट चेक करवाया। इस वीडियो में कहा गया है कि अगर नाखूनों में सफेद दाग हो जाते हैं तो इसकी वजह जिंक और कैल्शियम की कमी होती है। इसमें कहा गया है कि डॉक्टर भी यही मानते हैं और इस कमी को पूरा करने की कोशिश की जानी चाहिए। हैदराबाद के लकड़ी के पुल स्थिति ग्लेनिगल्स हॉस्पिटल के कंसल्टेंट और क्रिटिकल केयर डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. मनीन्द्र ने यूटयूब के इस वीडियो को सिर्फ मिथ माना है। वह कहते हैं कि यह निशान ल्यूकोनीशिया कहलाते हैं। इनकी वजह अक्सर पोषक तत्वों की कमी को मान लिया जाता है। लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा नेल मैट्रिक्स में चोट की वजह से होता है। नेल मैट्रिक्स नाखूनों के नीचे के बेस को कहते हैं। यह ऐसी चोटें होती हैं जिन पर हमारा ध्यान भी नहीं जाता है।

30 में चली गई हाथ–पैरों की ताकत, महसूस होने लगा है बुढ़ापा?

प्रोटीन मसल्स को बढ़ाता है और शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी है। प्रोटीन लेने के लिए हमेशा मांस, मछली, चिकन, मटन खाने की जरूरत नहीं है। शाकाहारी फूड भी प्रोटीन से भरे होते हैं। डाइट में इन्हें शामिल करने से कमजोरी दूर रहती है और शरीर में ताकत भरी रहती है। इनमें से अधिकतर चीजों को आप रोटी के साथ खा सकते हैं। पर्याप्त प्रोटीन लेने के लिए इस बात का ध्यान जरूर रखें कि डाइट में इनका बढ़िया मिश्रण हो। इस तरह आपको अलग–अलग विटामिन और मिनरल भी मिल सकेंगे। सोयाबीन को फर्मेंट करके टेम्पेह बनाया जाता है और मीट की जगह खा सकते हैं। इसमें प्रोटीन की भारी मात्रा होती है, जिससे शरीर की कमजोरी दूर की जा सकती है। डल थ्वक कंज के अनुसार 100 ग्राम टेम्पेह से 20 ग्राम के करीब प्रोटीन मिलता है। टोफू को भी सोया से बनाया जाता है। टेम्पेह और टोफू दिखने में पनीर की तरह होते हैं और उसी की तरह इन्हें रोटी के साथ खा सकते हैं।

फेफड़ों को इन तरीकों से सेफ रखें अस्थमा–सांस के मरीज

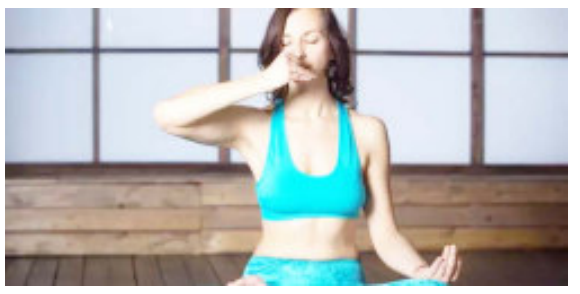

त्यौहार का आनंद तब आता है जब सेहत दुरुस्त रहे और इसके लिए जरूरी है कि हम अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। क्रिसमस और न्यू ईयर आने में बस कुछ ही दिन बाकी है और हर कोई जोरो शोरों से अपनी अपनी तैयारियों में लगा हुआ है। हालांकि इन सबके बीच आप अपनी फिटनेस के साथ किसी भी तरह का समझौता न करें। दिल्ली–एनसीआर सहित कई जगह एयर क्वालिटी बिगड़ी हुई है। ऐसे में अस्थमा के मरीजों और सांस से जुड़ी अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा सर्दी की वजह से भी पॉल्यूशन का स्तर बढ़ जाता है। ऐसे में मरीज को अस्थमा अटैक आने का भी खतरा रहता है। क्रिसमस और न्यू ईयर पर अस्थमा के मरीजों को जरूरी सावधानी बरतनी चाहिए। अगर आपको अस्थमा की शिकायत है तो आप क्रिसमस पर अपने घर की सफाई करने से बचें। यानी आपको धूल झाड़ने से बचना चाहिए। इससे एलर्जी और हवा में मौजूद कर्ण, फफूंद और बीजाणुओं के संपर्क में आने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में मरीज को सांस लेने में समस्या या सांस से जुड़ी अन्य तकलीफें भी हो सकती है। सफाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक उत्पादों के धुएं से भी अस्थमा के मरीजों को दूर रहना चाहिए। क्रिसमस और न्यू ईयर पर आप घर के अंदर और बाहर मास्क का उपयोग जरूर करें। एयर प्यूरीफायर से आपको सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा मिलेगी।

जानलेवा रोगों से बचना है तो महिलाएं हर साल ये टेस्ट कराऐ

40 की उम्र के बाद महिलाओं को अपनी सेहत को लेकर सतर्क हो जाना चाहिए। ये उम्र का वो दौर होता है जहां जरा सी लापरवाही बड़े रोगों का कारण बन सकती है। 40 की उम्र के बाद महिलाओं को हर साल गायनेकोलॉजिस्ट से अपना चेकअप जरूर कराना चाहिए। महिलाओं को 40 की उम्र के बाद कौन से 5 टेस्ट कराने चाहिए इसके बारे में बता रही हैं मदरहुड हॉस्पिटल, पुणे की ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. मानसी शर्मा।

कैंसर की जांच कराएं

40 की उम्र के बाद जब मेनोपॉज का प्रोसेस शुरू होता है तो महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होने लगते हैं। लापरवाही करने पर कई रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए हर साल गायनेकोलॉजिस्ट से मिलकर अपनी जांच जरूर कराएं। उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं में गर्भाशय, अंडाशय, सर्विक्स और वजाइना का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए 40 की उम्र के बाद महिलाओं को हर साल अपनी जांच जरूर कराना चाहिए। ओवरी में सिस्ट या फाइब्रॉएड हैं तो उनकी भी जांच जरूरी है। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के केसेस बहुत ज्यादा देखने को मिलते हैं। इससे बचने के लिए सेक्शुअल रिलेशन शुरू करने के 3 साल बाद से हर साल पैप स्मीयर टेस्ट कराएं। उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के केसेस भी बढ़ने लगते हैं। इससे बचने के लिए हर साल मैमोग्राफी कराएं। साथ ही नियमित रूप से घर पर आईने के सामने खड़े होकर खुद अपने ब्रेस्ट की जांच करें।

मेनोपॉज के लक्षणों का उपचार जरूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेनोपॉज की प्रक्रिया शुरू होते ही महिलाओं के शरीर में बदलाव होने शुरू हो जाते हैं। पेरीमेनोपॉज के दौरान महिलाओं को हॉट फ्लैश, मूड स्विंग, वजाइनल ड्राइनेस, नींद न आना, स्किन ड्राई हो जाना, चेहरे पर झुर्रियां दिखाई देना जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। कई महिलाएं डिप्रेशन का शिकार हो जाती हैं। महिलाओं की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जोड़ों में दर्द रहने लगता है। शरीर में जब ऐसे बदलाव दिखाई देने लगें तो महिलाओं को गायनेकोलॉजिस्ट से मिलकर अपनी समस्या का उपचार कराना चाहिए। साल में एक बार गायनेकोलॉजिस्ट से मिलकर महिलाएं कई समस्याओं से राहत पा सकती हैं। 40 की उम्र के बाद महिलाओं को अपनी डाइट और लाइफस्टाइल पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाकर महिलाएं कई रोगों से आसानी से बच सकती हैं।

सेक्शुअल हेल्थ को नजरअंदाज न करें

मेनोपॉज की प्रक्रिया शुरू होते ही महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी होने लगती हैं। इससे वजाइनल ड्राइनेस की समस्या होती है महिलाओं को फिजिकल रिलेशन के दौरान दर्द होता है। साथ ही महिलाओं की संबंध बनाने की इच्छा भी कम होने लगती है। सेक्शुअल हेल्थ को नजरअंदाज करने से इसका असर कपल के रिश्ते पर पड़ सकता है और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की गुंजाइश भी बढ़ सकती है। गायनेकोलॉजिस्ट से मिलकर महिलाएं अपनी इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं। लुब्रिकेंट या हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी द्वारा फिजिकल रिलेशन को पहले की तरह रोमांचक बनाया जा सकता है।

एचआरटी किन महिलाओं के लिए जरूरी है

हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी यानी एचआरटी का काम सिर्फ सेक्शुअल रिलेशन को बेहतर बनाना नहीं है। जिन महिलाओं का गर्भाशय और अंडाशय किसी कारणवश निकाल दिया जाता है उन्हें एचआरटी की ज्यादा जरूरत होती है। गर्भाशय और अंडाशय निकाल दिए जाने के कारण ऐसी महिलाओं के पीरियड्स बंद हो जाते हैं यानी इनका समय से पहले मेनोपॉज हो जाता है। इसके कारण महिलाओं की हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, कैंसर और दिल की बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है।

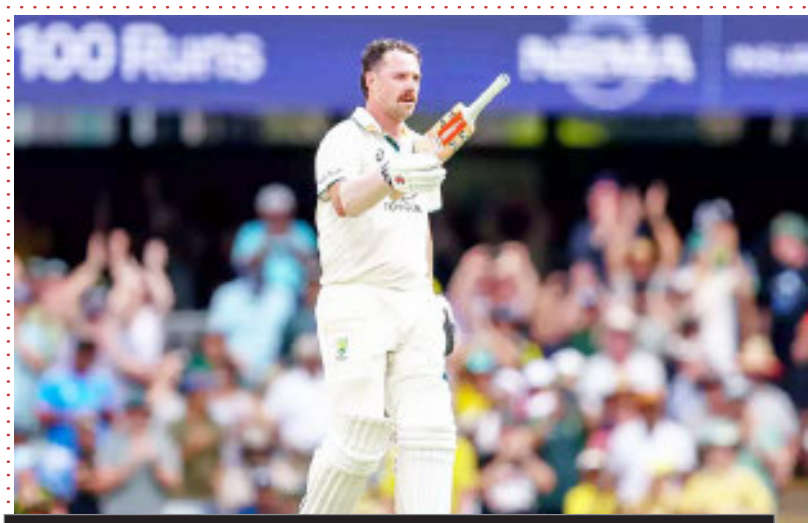

उम्मीद है कि वह मैच तक फिट हो जाएगा

पिछले दो मैच में मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए हेड ने मंगलवार को नेट पर अभ्यास करने के बजाय सहायक कोच ब्रैड हॉज के थ्रो डाउन पर बल्लेबाजी का अभ्यास किया। ऑस्ट्रेलिया के कोच ने कहा, 'उसके हाथ में बल्ला देख कर अच्छा लगा। मेरी तरफ से कोई चिंता नहीं है। वह दौड़ लगाने में सक्षम है और मुझे उम्मीद है कि वह मैच तक फिट हो जाएगा।' मैकडोनाल्ड ने इस तरह की कोई अटकल नहीं लगाई कि अगर हेड फिट नहीं होते हैं तो उनकी जगह टीम में किसे लिया जाएगा।

ट्रेविस हेड का मेलबर्न में खेलना क्यों मुश्किल?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं लेकिन तीसरे टेस्ट मैच में चोटिल होने वाले ट्रेविस हेड के खेलने को लेकर संदेह बरकरार है। चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने मंगलवार को यहां अभ्यास सत्र के दौरान इस 19 वर्षीय बल्लेबाज को भारत के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने की जानकारी दी। कोंस्टास ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम की तरफ से टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले 468वें खिलाड़ी बनेंगे। कोंस्टास ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के बाद टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सबसे कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनेंगे। कमिंस ने 2011 में 18 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हम टीम बैठक से पहले अपनी बल्लेबाजी इकाई को लेकर स्पष्टता चाहते थे। हम अमूमन इस तरह का खुलासा नहीं करते हैं लेकिन हम चाहते थे कि हर कोई यह जान ले कि वह टीम में है। उन्होंने कहा, 'वह (कोंस्टास) बहुत सहज है। वह वैसा ही है जैसा कि मैं उसे टीम से बाहर रहते हुए देखा था, तनावमुक्त और सहज।

रोहित ने शर्मा ने अपनी बैटिंग पोजीशन बताने से किया इनकार

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच कल से शुरू होगा बॉक्सिंग-डे टेस्ट

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मेलबर्न में प्रेस कांफ्रेंस की और इस दौरान कई पत्रकारों को मजेदार जवाब दिए। बहुप्रतीक्षित बॉक्सिंग–डे टेस्ट मैच के लिए अपने फॉर्म और टीम की योजना के बारे में बात करते हुए रोहित शर्मा ने पत्रकारों को मजेदार अंदाज में जवाब दिए। यह पूछने पर कि विराट कोहली से ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर हो रही कमजोरी के बारे में बातचीत की तो भारतीय कप्तान ने जवाब दिया, आप सिर्फ यह कह सकते हैं कि वो आधुनिक दिनों के महान खिलाड़ी हैं। आधुनिक युग के महान खिलाड़ियों को अपनी समस्याओं का हल खुद खोजना होता है।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट कोहली का समर्थन किया और विश्वास जताया

कि वो ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंदों की परेशानी से छुटकारा पा लेंगे। कोहली ने पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में शतक जमाया था, लेकिन इसके अलावा उनका प्रदर्शन बेहद फीका रहा है। वो कई मौकों पर ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंदों पर अपना विकेट गंवा बैठे।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मौजूदा बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में कोहली ने 5,100',7,11 और 3 रन की पारी खेली। मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड ने कोहली की कमजोरी को बखूबी उजागर किया और उन्हें क्रीज पर जमने का मौका नहीं दिया।

बहरहाल, रोहित शर्मा ने पुष्टि कर दी कि वह बॉक्सिंग–डे टेस्ट में हिस्ब्सा लेंगे, लेकिन यह नहीं बताया कि किस बैटिंग पोजीशन पर खेलेंगे। रोहित शर्मा ने पहले टेस्ट में हिस्सा नहीं लिया था। रोहित जब टीम से जुड़े तो मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने उतरे, लेकिन उनका प्रदर्शन भी खराब रहा है। उस बारे में चिंता करने की जरुरत नहीं। कौन कहां बल्लेबाजी करेगा, मेरे ख्याल से ऐसी चीज है जो हमें खुद ही पता करनी होगी। यह ऐसी बात नहीं कि मैं हर प्रेस कांफ्रेंस में इस बारे में बातचीत करूं। हमारी टीम के लिए जो बेहतर लगेगा और सफलता के अवसर जिससे ज्यादा बनेंगे, हम वो करेंगे।

भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल, शुनमन गिल और ऋषभ पंत की फॉर्म के बारे में कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी बेबाक राय दी। उन्होंने कहा, देखिए मैं आपसे कह चुका हूं कि ये सभी युवा खिलाड़ी एक ही नाव पर सवार हैं। वो जो कर रहे हैं, हम उसे मुश्किल नहीं बनाना चाहते हैं। उन्हें पता है कि क्या करना है।

अंडर 19 टी20 वर्ल्डकप 2025 के लिए भारतीय महिला टीम का एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आईसीसी अंडर–19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम का एलान हो गया है। बीसीसीआई की महिला चयन समिति ने टीम की घोषणा की। भारत की महिला अंडर–19 टीम की कप्तानी निकी प्रसाद करेंगी, जबकि सानिका चालके उप–कप्तान होंगी। यह टूर्नामेंट मलेशिया के कुआलालुंपुर में 18 जनवरी 2025 से 2 फरवरी 2025 तक चलेगा।

स्क्वाड में उन 14 प्लेयर्स को रिटेन किया हैं, जो एशिया कप विनिंग टीम का हिस्सा रहे। एकमात्र बदलाव के रूप में तेज गेंदबाज वैष्णवी एस को नंदना एस की जगह लिया गया है। इसके साथ टीम में कमलिनी जी और भाविका अहिरे के रूप में दो विकेटकीपर हैं, जबकि तीन स्टैंडबाय

भारतीय महिला टीम का कप्तान निकी प्रसाद को बनाया गया

खिलाड़ी नंदना एस, इरा जे और अनादि टी को भी टीम में जगह मिली हैं।

दरअसल, डिफेंडिंग चैंपियन इंडिया को मलेशिया, वेस्टइंडीज, श्रीलंका ग्रुप–ए में रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 19 जनवरी को कुआलालुंपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच खेलकर करेगी। इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही है। हर 4 ग्रुप में 4–4 टीमों को रखा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष की टीमें सुपर सिक्स स्टेज में जाएगी। सुपर सिक्स स्टेज की टीमों को दो ग्रुप में शामिल किया जाएगा।

पहला ग्रुप– जहां ग्रुप ए और डी की टॉप तीन टीमें रहेगी। ग्रुप 2– जहां तीन टॉप टीमें ग्रुप बी और सी की रहेगी। इसके बाद हर टीम दूसरे ग्रुप की टीम. जिन्होंने क्वालिफाई किया है, उनके खिलाफ 2–2 मैच खेलेगी। इसके बाद टॉप की दो टीमें सुपर सिक्स ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंचेगी, जो कि 31 जनवरी को होना है, जबकि फाइनल मैच 2 फरवरी को होगा।

2023 में खेले गए विश्व कप में हिस्सा लेने वाली टीमें (ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज) ने इस प्रतियोगिता में जगह बनाई, जबकि मलेशिया को मेजबान होने के चलते सीधी एंट्री मिली। नेपाल, नाइजीरिया, समोआ, स्कॉटलैंड और अमेरिका ने क्षेत्रीय टूर्नामेंट जीत कर प्रतियोगिता में अपनी जगह सुरक्षित की।

फखर जमान ने केंद्रीय अनुबंध से हटने पर चुप्पी तोड़ी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के बल्लेबाज फखर जमान ने केंद्रीय अनुबंध से बाहर किए जाने पर चुप्पी तोड़ी है। फखर को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने केंद्रीय अनुबंध से बाहर किया था, जब उन्होंने खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम के समर्थन में विवादित पोस्ट किया था। पाकिस्तान की टीम तब घरेलू जमीन पर इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेल रही थी। बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कयास लगाए जा रहे थे कि बाबर आजम को टेस्ट टीम से ड्रॉप किया जाएगा। तब फखर जमान ने पूर्व कप्तान का समर्थन करते हुए कहा था कि बाबर आजम को ड्रॉप करने से टेस्ट टीम पर खराब संदेश जाएगा। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने विराट कोहली का जिक्र करते हुए पोस्ट किया था, जिसमें दोनों खिलाड़ियों के बुरे दौर की तुलना की गई थी।

न्यूज डायरी

विनोद कांबली को अचानक अस्पताल में कराया गया भर्ती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली पिछले कुछ समय से तबीयत खराब को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में उन्हें अचानक अस्पताल में भर्ती कराए जाने की वजह सामने आई है। मेडिकल जांच में ये पाया गया कि उनके मस्तिक में खून के थक्के जमे हुए पाए गए। 52 साल के कांबली का इलाज डॉक्टर विवेक त्रिवेदी कर रहे हैं, जिन्होंने कहा कि पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने शुरुआत में यूरिनेशन में तकलीफ और ऐंठन की शिकायत की थी। दरअसल, विनोद कांबली ने डॉक्टर्स का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा कि सभी मेडिकल स्टाफ के लोगों का धन्यवाद, जिन्होंने मेरे इलाज और देखभाल में कोई कमी नहीं छोड़ी। हाल ही में उनका इलाज कर रहे डॉक्टर त्रिवेदी ने बताया कि अस्पताल में उनकी देखरेख कर रही मेडिकल टीम ने कई जांचों के बाद उनके मस्तिष्क में थक्के पाए। डॉक्टर ने कहा कि कांबली के स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा रही है और टीम ने मंगलवार को अतिरिक्त मेडिकल जांच भी किया। त्रिवेदी ने यह भी कहा कि अस्पताल प्रभारी एस सिंह ने कांबली को अपने मेडिकल फैसिलिटी में आजीवन मुफ्त इलाज मुहैया कराने का फैसला किया है। बता दें कि विनोद कांबली एक दशक से भी ज्यादा समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। 1996 विश्व कप टीम के सदस्य कांबली अपने रिटायरमेंट के बाद के करियर में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों और आर्थिक संघर्षों से जूझ रहे हैं। कांबली हाल ही में अपने बचपन के कोच रमाकांत आचरेकर की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में नजर आए।

वेस्टइंडीज ने ऐतिहासिक पाकिस्तान दौरे के लिए किया टीम का एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने अगले महीने पाकिस्तान दौरे के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। वेस्टइंडीज टीम में आमिर जांगू को पहली बार मौका दिया गया है। वेस्टइंडीज की टीम पाकिस्तान दौरे पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। कैरेबियाई टीम में बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती की वापसी हुई है, जो पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुताबिक शमार जोसेफ पिंडली में चोट के कारण टीम से बाहर हैं और वो इस महीने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। अल्जारी जोसेफ अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण उपलब्ध नहीं रह पाएंगे। आमिर जांगू ने 2023–24 में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करके अपना स्थान राष्ट्रीय टीम में बनाया। 5 चार दिवसीय मुकाबलों में 63.50 की औसत से उन्होंने 500 से ज्यादा रन बनाए। इस दौरान उन्होंने दो शतक और एक अर्धशतक जमाया। वह त्रिनिदाद एंड टोबागो के सर्वश्रेष्ठ रन स्कोरर रहे। मोती के दोबारा जुड़ने से स्पिन आक्रमण मजबूत हुआ जबकि जांगू का चयन घरेलू क्रिकेट में निरंतर बेहतर प्रदर्शन के कारण हुआ। वह स्पिन गेंदबाजी का भी मजबूती से सामना करते हैं।

भारत के खिलाफ बॉक्सिंग–डे टेस्ट में सैम कोनस्टास डेब्यू करेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज सैम कोनस्टास गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर भारत के खिलाफ खेले जाने वाले चौथे टेस्ट में डेब्यू करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड्ड ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि की। 19 साल के सैम कोनस्टास को नाथन मैकस्वीनी की जगह ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया था। ऑस्ट्रेलिया का टॉप ऑर्डर शुरुआती तीन टेस्ट में संघर्ष करता हुआ नजर आया। मगर उस्मान ख्वाजा को अनुभव के आधार पर टीम में बरकरार रखा गया जबकि मैकस्वीनी को बाहर का रास्ता दिखाया गया। याद दिला दें कि भारत और ऑस्ट्रेलिया इस समय सीरीज में 1–1 की बराबरी पर हैं। सैम कोनस्टास इस समय बहुत अच्छी स्थिति में हैं। यही वजह है कि वो बॉक्सिंग–डे टेस्ट में खेलेंगे। उन्होंने दिखाया कि शॉट खेलने की उनकी रेंज विशाल है। इसके अलावा उनमें विरोधी टीम पर दबाव डालने की क्षमता है। कोनस्टास को मौका मिलेगा और हम बॉक्सिंग–डे टेस्ट में उन्हें दमदार प्रदर्शन करते देखने के लिए उत्साहित हैं। एंड्रयू मैकडोनाल्ड्ड ने साथ ही विश्वास जताया कि ट्रेविस हेड बॉक्सिंग–डे टेस्ट खेलने के लिए फिट हैं, जो क्वाड समस्या से उबरने में जुटे हुए हैं।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, बुधवार, 25 दिसंबर 2024 पेज 8

इंद्रमणि बड़ोनी के चित्र पर पुष्पांजली अर्पित करते हुए सीएम धामी।

बदहवास युवती नदी किनारे मिली, अपहरण का आरोप

हंगामा

- ग्रामीण के हंगामे के बाद पुलिस ने हिरासत में लिए दो युवक
- चार युवकों ने कोई नशीला पदार्थ सुंघाकर युवती का अपहरण किया

संवाददाता

देहरादून। सरेराह एक युवती का अपहरण करने का मामला प्रकाश में आया है। युवती बदहवास हालत में सोलानी नदी किनारे मिली है। इस बीच अपहरण के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया है और पूछताछ कर रही है। वहीं, ग्रामीणों ने दो अन्य युवकों के नाम भी पुलिस को बताए हैं। जिनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस ग्रामीणों को समझाने की कोशिश कर रही है।

पिरान कलियर क्षेत्र के गांव इमलीखेड़ा में मंगलवार की सुबह एक 22 वर्षीय युवती गांव के पास ही गोबर डालने गई थी। काफी देर तक युवती घर वापस नहीं आई तो परिजनों और ग्रामीणों ने उसकी तलाश की। इस बीच युवती गांव के पास बदहवास हालत में मिली। परिजन उसे घर ले आए और उपचार शुरू कराया।

वहीं, ग्रामीणों को पता चला कि चार युवकों ने कोई नशीला पदार्थ सुंघाकर युवती का अपहरण किया था। इस बीच ग्रामीण युवकों की तलाश में जुट गए। ग्रामीणों को घटनास्थल के पास एक बाइक सवार युवक खड़ा मिला। ग्रामीणों ने अपहरण के शक में युवक को पकड़ लिया और पिटाई कर दी। सूचना मिलते ही कलियर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले आई।

पूछताछ में युवक ने अपने एक और साथी का नाम बताया। पुलिस ने उसे भी हिरासत में ले लिया और थाने ले आई। वहीं, बड़ी संख्या में ग्रामीण इमलीखेड़ा पुलिस चौकी पर जमा हो गए और युवकों पर अपहरण का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। साथ ही दो अन्य युवकों की गिरफ्तारी पर भी अड़ गए। हंगामा बढ़ता देख रुड़की, भगवानपुर, मंगलौर समेत अन्य थानों की पुलिस बुलाई है।

एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल और पुलिस ग्रामीणों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं और कार्रवाई का भरोसा दे रहे हैं। लेकिन ग्रामीण फरार दोनों युवकों की गिरफ्तारी पर अड़े हैं। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। युवती की हालत सही होने पर बयान दर्ज किए जाएंगे।

पारदर्शिता के साथ सुरक्षित निर्वाचन कराना सभी का दायित्व

निर्देश

- डीएम ने नोडल एवं सहनोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन सविन बंसल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में नागर निकाय सामान्य निर्वाचन–2024 को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने हेतु तैनात नोडल एवं सहनोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों का निर्देशित किया कि पारदर्शिता के साथ सुरक्षित निर्वाचन कराना सभी का दायित्व है, इसके लिए अधिकारी आपसी समन्वय के साथ आयोग की गाईड लाईन का अक्षरशः पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन हेतु नियुक्त नोडल सहनोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी अपने–अपने दायित्वों को भलीभांति समझ लें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया सभी अधिकारी आपसी समन्वय करते हुए टीम भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्वाचन की गरिमा बनाए रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

उन्होंने निर्देशित किया कि सभी आरओ/एआरओ नामिनेशन कक्ष के साथ ही नामिनेशन व्यवस्था देख लें। उन्होंने निर्देशित प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों को भी शामिल किया जाए, जिससे निर्वाचन में गाईडलाईन के अनुसार समस्त व्यवस्था की जा सकें।

उन्होंने लोनिवि के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बेरिकेटिंग व्यवस्था देख लें तथा पुलिस विभाग से समन्वय करते हुए सुरक्षा मानकों के अनुसार बेरिकेटिंग व्यवस्था करायें। साथ ही निर्देशित किया कि निर्वाचन आयोग के गाईडलाईनों का अक्षरशः पालन करें।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने पेशावर कांड के नायक को अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पेशावर कांड के नायक वीर चन्द्र सिंह 'गढ़वाली' का उनकी जयंती पर भावपूर्ण स्मरण किया है। मुख्यमंत्री ने वीर चन्द्र सिंह 'गढ़वाली' की जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में वीर चन्द्र सिंह ''गढ़वाली'' को पेशावर कांड का महानायक बताते हुए कहा की उन्होंने देश की आजादी के लिये आन्दोलनरत निहत्थी जनता पर गोली चलाने के आदेश को न मानकर देशभक्ति और साहस का परिचय दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की आजादी के लिए 'पेशावर कांड' एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के आंदोलन में यह घटना मील का पत्थर साबित हुई, जिसने देश की आजादी के लिए एक क्रांतिकारी आधार तैयार किया।

नेताजी संघर्ष समिति ने इंद्रमणि बडोनी की जयंती पुष्पांजलि अर्पित की

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को पर्वतीय गांधी स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी की जयंती के अवसर पर उनकी घंटाघर स्थित मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। स्मरण रहे कि समिति के अधिकारियों ने स्वर्गीय बडोनी के कुशल नेतृत्व में राज्य प्राप्ति आंदोलन में सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई थी। समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि बडोनी जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि राज्य का चौमुखी विकास हो तथा राज्य की स्थाई राजधानी के गैरसेन में बने।

ईश्वर तर्क का नहीं, अपितु प्रत्यक्ष दर्शन का विषय

संवाददाता देहरादून। दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की असीम अनुकंपा से देहरादून के निरंजन फार्म, दून यूनिवर्सिटी रोड में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित सात–दिवसीय श्री शिव कथा के तृतीय दिवस डॉ. सर्वेश्वर जी ने सती प्रसंग का सुमधुर भजनों के साथ व्याख्यान किया। भगवान शिव अपनी अर्धांगिनी सती को संग लेकर अगस्त्य मुनि जी के आश्रम में प्रभु राम की पावन कथा श्रवण करने जाते हैं, परन्तु तर्क बुद्धि से प्रेरित हुई सती कथा का मर्म ही नहीं जान पाती।

एचडीएफसी बैंक ने गिफ्ट सिटी से पहला गोल्ड फॉरवर्ड डील किया

संवाददाता देहरादून। भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी बैंक गिफ्ट सिटी से गोल्ड फॉरवर्ड डील करने वाला पहला घरेलू बैंक बन गया है। यह डील एचडीएफसी बैंक गिफ्ट सिटी आईबीयू द्वारा हिंदुस्तान प्लेटिनम प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से की गई, जो एक वैश्विक रिफाइनर और उच्च शुद्धता वाले कीमती धातु उत्पादों और औद्योगिक सेवाओं का निर्माता है। एचडीएफसी बैंक विकास का हिस्सा बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न, स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी कुशल प्रशासक, राजनीतिज्ञ एवं लोकप्रिय जन नेता के साथ महान वक्ता थे, जिन्हें समाज के सभी वर्गों के लोग सम्मान देते थे। स्व. वाजपेयी के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि था। अटल जी उत्तराखण्ड राज्य के प्रणेता रहे हैं, उन्होंने न केवल उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण किया बल्कि राज्य विकास के लिए आधार भी तैयार किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में भारत ने विश्व में अपनी नयी पहचान बनाई तथा 21 वीं शदी में मजबूती से कदम आगे बढ़ाया। उनमें सभी को साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता थी। उनकी दूरगामी सोच, रचनाओं, पोखरण परमाणु परीक्षण, कारगिल की लड़ाई में भारत को मिली विजय के लिये उन्हें हमेशा याद किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने इंद्रमणि बड़ोनी के चित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को उत्तराखण्ड निवास नई दिल्ली में स्वर्गीय इंद्रमणि बड़ोनी की जयन्ती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पृथक उत्तराखंड राज्य निर्माण आन्दोलन में स्वर्गीय इंद्रमणि बड़ोनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के गांधी के नाम से विख्यात स्वर्गीय इंद्रमणि बड़ोनी 1994 के राज्य आंदोलन के सूत्रधार रहे। पर्वतीय क्षेत्रों के विकास के लिये उनकी संकल्पनाओं एवं राज्य निर्माण के संघर्ष में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. बड़ोनी जी की जयन्ती का अवसर हमें उत्तराखण्ड को विकसित एवं अग्रणी राज्य बनाने की भी प्रेरणा देता है। उत्तराखंड राज्य आन्दोलन में उनके सक्रिय सहयोग को सदैव याद रखा जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।